तेरा प्यार पाकर चेहरे पे आ गई दिव्य मुस्कान
पनाह तेरी पाकर मुझे मिली मेरी सत्य पहचान
तेरी श्रीमत के बिना मैं रहा मंजिल से अनजान
खुद को जानकर जाना तुझको ओ मेरे भगवान
मेरी मुश्किल राह को बनाया है कितना आसान
सम्पूर्ण पावन बनकर चुकाऊं तेरा हर एहसान
तुझसे बिछुड़े सभी बच्चों को पास तेरे ले आऊँ
पवित्रता की राह पर चलकर उनको भी चलाऊं
तुझ संग बांधी जीवन डोर कभी नहीं अब टूटे
छूट जाए सारे संग ये अविनाशी संग नहीं छूटे
निष्चिन्त हुआ जीवन मेरा पाकर तेरी
छत्रछाया
तुझको ढाल बनाकर चलूँ तो हारे मुझसे माया
देखूं अपनी मंजिल को अब देखूं कहीं ना और
पा लूंगा अपनी मंजिल जब बन जाऊंगा प्योर
लगन लगी स्वस्थिति में मुझको स्थित रहना है
ज्ञान की बातों के सिवाए और नहीं कुछ कहना
है
ॐ शांति